Re-Accredited 'B++' 2.86 CGPA by NAAC
VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY
University Campus, Udhna-Magdalla Road, SURAT - 395 007, Gujarat, India.
વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટી
યુનિવર્સિટી કેમ્પસ, ઉધના-મગદલ્લા રોડ, સુરત - ૩૯૫ ૦૦૭, ગુજરાત, ભારત.
Tel : +91 - 261 - 2227141 to 2227146, Toll Free : 1800 2333 011, Digital Helpline No.- 0261 2388888
E-mail : info@vnsgu.ac.in, Website : www.vnsgu.ac.in

-: પરિપત્ર :-

વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન તમામ કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓને જણાવવાનું કે, NEP-2020 અંતર્ગત શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૪–૨૫ થી અમલમાં આવનાર એસ.વાય.બી.એ. સેમેસ્ટર–૩ અને ૪ હિન્દી વિષયનો Major, Minor, MDC, AEC અને SEC ના અભ્યાસક્રમ સંદર્ભે હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિની તા.૦૭/૦૨/૨૦૨૪ ની સભાના ઠરાવ ક્રમાંક : ૨ અન્વયે નીચે મુજબ કરેલ ભલામણ વિનયન વિદ્યાશાખાના અધ્યક્ષશ્રીએ વિદ્યાશાખાની મંજૂરીની અપેક્ષાએ વિદ્યાશાખા વતી કાર્યકારી ડીનશ્રીએ મંજૂર કરી એકેડેમિક કાઉન્સિલને કરેલ ભલામણ એકેડેમિક કાઉન્સિલ તા.૦૧/૦૩/૨૦૨૪ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૦૨ થી સ્વીકારી મંજૂર કરેલ છે. જેનો અમલ કરવા આથી જાણ કરવામાં આવે છે.

હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિની તા.૦૭/૦૨/૨૦૨૪ ની સભાના ઠરાવ ક્રમાંકઃ૨

:: આથી ઠરાવવામાં આવે છે કે, NEP-2020 અંતર્ગત શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૪–૨૫ થી અમલમાં આવનાર S.Y.B.A. Sem.- 3 & 4 નો Major, Minor, MDC, AEC અને SEC નો અભ્યાસક્રમ સર્વાનુમતે મંજૂર કરી વિનયનવિદ્યાશાખાને ભલામણ કરવામાં આવે છે.

એકેડેમિક કાઉન્સિલ તા.૦૧/૦૩/૨૦૨૪ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૦૨

:: આથી ઠરાવવામાં આવે છે કે, NEP-2020 અંતર્ગત શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૪–૨૫ થી અમલમાં આવનાર એસ.વાય.બી.એ. સેમેસ્ટર–૩ અને ૪ હિન્દી વિષયનો Major, Minor, MDC, AEC અને SEC ના અભ્યાસક્રમ સંદર્ભે હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિની તા.૦૭/૦૨/૨૦૨૪ ની સભાના ઠરાવ ક્રમાંક :૨ અન્વયે કરેલ ભલામણ વિનયન વિદ્યાશાખાના અધ્યક્ષશ્રીએ વિદ્યાશાખાની મંજૂરીની અપેક્ષાએ વિદ્યાશાખા વતી કાર્યકારી ડીનશ્રીએ મંજૂર કરી એકેડેમિક કાઉન્સિલને કરેલ ભલામણ સ્વીકારી મંજૂર કરવામાં આવે છે.

બિડાણઃ ઉપર મુજબ

ક્રમાંક : એસ./આટર્સ/પરિપત્ર/૫૦૩૧/૨૦૨૪
તા.૦૭–૦૩–૨૦૨૪

કુલસચિવ વતી

પ્રતિ,
૧) વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન તમામ કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓ.
..... આપશ્રીની કોલેજના સંબંધિત શિક્ષકોને જાણ કરી અમલ કરવા સારૂ.
૨) અધ્યક્ષશ્રી, વિનયન વિદ્યાશાખા.
૩) પરીક્ષા નિયામકશ્રી, પરીક્ષા વિભાગ, વીર નર્મદ દ. ગુ. યુનિવર્સિટી, સુરત.
.....તરફ જાણ તેમજ અમલ સારૂ.

जा - 2
पत्र - 01

એકેડેમિક કાઉન્સિલ તા.01-03-2024
બાબત 02 બિડાણ/પરિશિષ્ટ 01

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी सेमेस्टर-3

(2024-2025, 2025-2026 एवम्2026-2027 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र - 5.छायावादी कविता (मुख्य) (Total Marks - 50)
Major(Core Course)-05 **Credits 04**

पाठ्यपुस्तकः छायावादः प्रतिनिधि रचनाएँ- संपादक-नीरा परमार (प्रकाशक-जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 जयशंकर प्रसाद की निम्नलिखित कविताएँ-

नाविक !इस सूने तट पर
इतना न चमत्कृत हो बाले
जागरी
पेशोला की प्रतिध्वनि।

ईकाई-2 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की निम्नलिखित कविताएँ-

जुही की कली
भारती-वंदना
स्नेह निर्झर बह गया है
सरोज-स्मृति।

ईकाई-3 सुमित्रानंदन पंत की निम्नलिखित कविताएँ-

मानव
ताज
बादल
द्रुत झरो।

ईकाई-4 महादेवी वर्मा की निम्नलिखित कविताएँ-

क्या पूजन क्या अर्चन रे
मधुर मधुर मेरे दीपक जल
यह मंदिर का दीप
विरह का जलजात जीवन।

अंक-विभाजन -प्रश्न 1.पठित कविताओं से 10(12 में से) बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 पठितकाव्यसे**संक्षिप्त** प्रश्न5 (आठमेंसे) 5x2=10 अंक)

प्रश्न 3और 4.इकाई 1 और 2 से एक - एक आलोचनात्मक प्रश्न (10x2=20 अंक)

प्रश्न 5.(अ)इकाई 3से एक टिप्पणी का प्रश्न (5x1=5 अंक)

(ब) इकाई 4 से ससंदर्भव्याख्या का प्रश्न (5x1=5 अंक)

07-02-2024
Date: /~~12/20~~23

સ્વીકાર્ય છે.

डॉ.सतीश पटेल

संदर्भ-पुस्तकें-

1. छायावाद-डॉ. नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली)
2. प्रसाद का काव्य-डॉ. प्रेमशंकर
3. निराला-डॉ. रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
4. जयशंकर प्रसाद-आ. नंददुलारे वाजपेयी
5. सुमित्रानंदन पंत-आनंद प्रकाश दीक्षित
6. महीयसी महादेवी-गंगाप्रसाद पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
7. महादेवी-इन्द्रनाथ मदान (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
9. निराला का काव्य:विविध संदर्भ-डॉ. मीरा श्रीवास्तव (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
10. निराला-संपा. डॉ. विश्वनाथ तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
11. सुमित्रानंदन पंत-आनंद प्रकाश दीक्षित
12. पंत की काव्य-भाषा-डॉ. कांता पंत (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

****

Date: ~~/12/2023~~ 07-02-2024

7/2/2024

डॉ.सतीश पटेल

प्रश्नपत्र – 6. हिंदी उपन्यास (मुख्य) (Total Marks - 50)
Major(Core)-06 **Credits 04**

पाठ्यपुस्तक : गंगा मैया–भैरवप्रसाद गुप्त (राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई -1. भैरवप्रसाद गुप्त का साहित्यिक परिचय
उपन्यास विधा का परिचय, 'गंगा मैया' उपन्यास कीकथावस्तु

इकाई - 2. 'गंगा मैया' उपन्यास के पात्रों का चरित्र –चित्रण।

इकाई - 3. 'गंगा मैया' उपन्यास में संवाद, 'गंगा मैया' उपन्यास में वातावरण-योजना।

इकाई - 4. 'गंगा मैया' उपन्यास की भाषा-शैली, 'गंगा मैया' उपन्यास का उद्देश्य, 'गंगा मैया' : शीर्षक की सार्थकता।

अंक–विभाजन – प्रश्न 1 पठित उपन्यास से 10 (12 में से) बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)
प्रश्न 2 पठितउपन्स्याससेसंक्षिप्त प्रश्न (5x2=10 अंक)
प्रश्न 3और4.इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (10x2=20 अंक)
प्रश्न 5.(अ)इकाई 3और 4 से एक टिप्पणी का प्रश्न (05x1=05 अंक)
(ब) पठित उपन्यास सेससंदर्भ व्याख्या का एक प्रश्न (05x1=5अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास – डॉ. गोपाल राय
2. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ – डॉ. शशिभूषण सिंहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
3. उपन्यास-स्थिति और गति (प्रथम खण्ड) – चन्द्रकांत बांडिवडेकर
4. हिंदी उपन्यास का इतिहास – डॉ. गोपाल राय
5. भैरवप्रसाद गुप्तः व्यक्ति और रचनाकार- संपा. विद्याधर शुक्ल
6. हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष – डॉ. रामदरश मिश्र, (गिरनार प्रकाशन. मेहसाणा)
7. हिंदी के आँचलिक उपन्यास–डॉ. रामदरश मिश्र–विवेकी राय
8. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

****

Date: ~~/12/2023~~ 07-02-2024

डॉ.सतीश पटेल

प्रश्नपत्र – 7. हिंदी साहित्य का इतिहास (मुख्य) (Total Marks - 50)

(Major(Core)-07 Credits 04)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र –

इकाई- 1. साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन और नामकरण।
आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।आदिकालीन परिस्थितियाँ।

इकाई- 2. भक्तिकाल कीमुख्य प्रवृत्तियाँ।भक्तिकाल की मुख्य - धाराएँ।
पद्मावत, रामचरितमानस तथा सूरसागर का परिचय।

इकाई- 3. रीतिकाल : शब्द, नामकरण, रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध-धाराओं का सामान्य परिचय, रीतिकाल की प्रमुख विशेषताएँ।

इकाई- 4. केशवदास, बिहारी, घनानंद, कबीर का साहित्यिक परिचय।

अंक-विभाजन–प्रश्न 1.सभीइकाईयों से10(12 में से) बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)
प्रश्न 2.सभी इकाईयों सेसंक्षिप्त प्रश्न5 (आठमेंसे) (5x2=10 अंक)
प्रश्न 3. और 4 इकाई 1 और 2 से एक –एक आलोचनात्मक प्रश्न (10x2=20 अंक)
प्रश्न 5.इकाई 3और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (05x2=10 अंक)

सहायक ग्रंथः

1.हिंदीसाहित्यकाइतिहास-डॉ.नगेन्द्र
2.हिंदीसाहित्यकाइतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागरवाष्णेर्य
3.हिंदीसाहित्यकाआदिकाल-हजारीप्रसादद्विवेदी
4.हिंदीसाहित्यकाअतीत-१-२ -विश्वनाथप्रसादमिश्र
5.हिंदीसाहित्यकाइतिहास-रामचंद्रशुक्ल
6.हिंदीसाहित्यकादूसराइतिहास-डॉ.बच्चनसिंह
7.हिंदीसाहित्यकावैज्ञानिकइतिहास-१-२ -डॉ.गणपतिचंद्रगुप्त
8.आदिकालकीभूमिका-पुरुषोत्तमप्रसाद
9.हिंदीसाहित्यकीप्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशनप्रसादखण्डेलवाल

07-02-2024
Date: ~~12/2023~~

7/2/2024
डॉ.सतीश पटेल

प्रश्नपत्र – 3. हिंदी उपन्यास) (Total Marks – 50)

MDC Course –03 **Credits 04**

पाठ्यपुस्तक : गंगा मैया–भैरवप्रसाद गुप्त (राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई –1. भैरवप्रसाद गुप्त का साहित्यिक परिचय
उपन्यास विधा का परिचय, 'गंगा मैया' उपन्यास कीकथावस्तु

इकाई – 2. 'गंगा मैया' उपन्यास के पात्रों का चरित्र –चित्रण।

इकाई – 3. 'गंगा मैया' उपन्यास में संवाद, 'गंगा मैया' उपन्यास में वातावरण-योजना।

इकाई – 4. 'गंगा मैया' उपन्यास की भाषा–शैली, 'गंगा मैया' उपन्यास का उद्देश्य, 'गंगा मैया' : शीर्षक की सार्थकता।

अंक–विभाजन – प्रश्न 1 पठित उपन्यास से 10 (12 में से) बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 पठितउपन्यासससेसंक्षिप्त प्रश्न (5x2=10 अंक)

प्रश्न 3और4.इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (10x2=20 अंक)

प्रश्न 5.(अ)इकाई 3**और 4** से एक टिप्पणी का प्रश्न (05x1=05 अंक)

(ब) पठित उपन्यास सेससंदर्भ व्याख्या का एक प्रश्न (05x1=5अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास – डॉ. गोपाल राय
2. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ – डॉ. शशिभूषण सिंहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
3. उपन्यास–स्थिति और गति (प्रथम खण्ड) – चन्द्रकांत बांडिवडेकर
4. हिंदी उपन्यास का इतिहास – डॉ. गोपाल राय
5. भैरवप्रसाद गुप्तः व्यक्ति और रचनाकार– संपा. विद्याधर शुक्ल
6. हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष – डॉ. रामदरश मिश्र, (गिरनार प्रकाशन. मेहसाणा)
7. हिंदी के आँचलिक उपन्यास–डॉ. रामदरश मिश्र–विवेकी राय
8. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

****

Date: ~~12/2023~~ 7/2/2024

7/2/2024
डॉ.सतीश पटेल

પરિશિષ્ટ-1

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी भाषा-कौशल

सेमेस्टर-3

(2024-2025, 2025-2026एवम्2026-2027के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-3 **हिंदी भाषा सामर्थ्य और जीवन कौशल**

Ability Enhancement Courses**-02 (Credits 02) (Total Marks-25)**

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 संधि-स्वर संधि-व्यंजन संधि-विसर्ग संधि

इकाई-2राजभाषा हिंदी के प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका

ई-गवर्नेस, इंटरनेट

हिंदी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग।

इकाई-3 विशेषणः परिभाषा और प्रकार।

इकाई-4 क्रियाः परिभाषा और प्रकार।

अंक विभाजनः प्रश्न-1 इकाई 1,2 और 3 से सात (10 में से) बहु विकल्पी प्रश्न (7x1=07अंक)

प्रश्न-2 इकाई 3 से छः (आठ से) संक्षिप्त प्रश्न (6x1=06अंक)

प्रश्न-3 इकाई 3 और 4 से एक आलोचनात्मक प्रश्न (6x1=06अंक)

प्रश्न-4 इकाई 2 से एक टिप्पणी काप्रश्न(6x1=06अंक)

सहायक ग्रंथः

1. हिंदी व्याकरण-कामता प्रसाद गुरू
2. हिंदी व्याकरण-डॉ. उमेशचंद्र शुक्ल
3. प्रशासनिक एवम् कार्यालयी हिंदी-डॉ. रामप्रकाश एवम् डॉ. दिनेशकुमार गुप्त
4. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना-डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद
5. हिंदी रूप-रचना भाग-1-2- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी व्याकरणःप्रबोध एवम् रचना-डॉ. विजयपाल सिंह (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

****

07-02-2024

Date: ~~/12/2023~~

डॉ.सतीश पटेल

प्रश्नपत्र-3 हिंदी प्रत्यायन-कौशल - (अनिवार्य) (Total Marks - 25)

Skill Enhancement Course-02 (Credits 02)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 संभाषण का अर्थ। संभाषण के विभिन्न रूप-वार्तालाप, व्याख्यान, वाद-विवाद, एकालाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जनसंपर्क में वाक् कला की उपयोगिता।

इकाई-2 संभाषण कला के प्रमुख उपादान-यथेष्ट भाषा-ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अन्तराल ध्वनि (वॉल्यूम), वेग, लहजा (एक्सेण्ट)

इकाई-3 वाद-विवाद प्रतियोगिता एवम् समूह संवाद।

इकाई-4 पठन कौशल- पठन का अर्थ, पठन का महत्व, पठन कौशल का उद्देश्य, पठन की प्रक्रिया, पठन के प्रकार।

अंक विभाजनः प्रश्न-1 इकाई 2 और 3 से सात (10 में से) बहु विकल्पी प्रश्न (7x1=07अंक)

प्रश्न-2 इकाई 1 से छः (आठ से) संक्षिप्त प्रश्न (6x1=06अंक)

प्रश्न-3 इकाई 4 से एक आलोचनात्मक प्रश्न (6x1=06अंक)

प्रश्न-4 इकाई 2 से एक टिप्पणी का प्रश्न (6x1=06अंक)

सहायक ग्रंथ-

1. वाद-विवाद एवम् संभाषण-श्रद्धा पांडेय
2. अच्छी हिंदीः हिंदी संभाषण और लेखन-डॉ. तेजपाल चौधरी (पंचशील प्रकाशन, दिल्ली)

++++++++++++++++++++

07-02-2024
Date: /~~12/2023~~

7/2/2024
डॉ.सतीश पटेल

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी **सेमेस्टर– 4**

(2024-2025, 2025-2026 एवम्2026-2027 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-8हिंदी काव्य (मुख्य) (Total Marks - 50)

(Major(Core Course)-08 **Credits 04**

प०ाठ्यपुस्तक : यशोधरा– मैथिलीशरण गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई -1. मैथिलीशरण गुप्त का व्यक्तित्व एवम् कृतित्व, खण्डकाव्य : परिभाषा एवम् लक्षण, 'यशोधरा' की कथावस्तु।

इकाई - 2. 'यशोधरा' के पात्र : यशोधरा, गौतम का चरित्र चित्रण, 'यशोधरा' में मौलिकता एवं आधुनिकता।

इकाई - 3. 'यशोधरा' में संवाद - योजना, 'यशोधरा' में देशकाल का चित्रण, 'यशोधरा' : शीर्षक की सार्थकता।।

इकाई - 4. 'यशोधरा' काव्य का उद्देश्य , 'यशोधरा' कीभाषा-शैली, 'यशोधरा' में वर्णित रस ।

अंक-विभाजन –प्रश्न 1.पठित कविताओं से 10(12 में से) बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2पठितकाव्यसेसंक्षिप्तप्रश्न5 (आठमेंसे) 5x2=10 अंक)

प्रश्न 3और 4.इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (10x2=20 अंक)

प्रश्न 5.(अ)इकाई 3 और4से एक टिप्पणी का प्रश्न (5x1=5 अंक)

(ब) पठितकाव्यसे ससंदर्भव्याख्या का प्रश्न (5x1=5 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी के श्रेष्ठ काव्यों का मूल्यांकन - संपा. डॉ. यश गुलाटी
2. हिंदी के खंडकाव्यों में युग बोध – डॉ. राज भारद्वाज
3. मैथिलीशरण गुप्त -संपादक-नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली
4. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त-डॉ.प्रकाश आतुर
7. आधुनिक प्रबंधकाव्य : संवेदना के धरातल – संपा. डॉ. विनोद गोदरे
8. मैथिलीशरण गुप्त–डॉ.प्रभाकर माचवे
9.मैथिलीशरण गुप्त–आनंद प्रकाश दीक्षित
10.मैथिलीशरण गुप्तः व्यक्ति और अभिव्यक्ति-संपा.सी.एल.प्रभात
11.मैथिलीशरण गुप्तः काव्य संदर्भ कोश–डॉ.नगेन्द्र

****

07/12/2024

Date: ~~/12/20~~23

Sd/- 7/12/2024

डॉ.सतीश पटेल

प्रश्नपत्र – 9. हिंदी नाटक: (मुख्य) (Total Marks - 50)

Major(Core Course)-09 **Credits 04**

पाठ्यपुस्तक : कर्फ्यू-लक्ष्मीनारायण लाल (राजपाल एन्ड सन्स, नई दिल्ली)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई- 1. लक्ष्मीनारायण लाल का व्यक्तित्व और कृतित्व,
'कर्फ्यू' नाटक का कथानक, 'कर्फ्यू' में चित्रित समस्याएँ

इकाई- 2. 'कर्फ्यू' के मुख्य पात्र- मनीषा. गौतम, संजय, कविता का चरित्र-चित्रण।

इकाई - 3 . 'कर्फ्यू' के संवाद, 'कर्फ्यू' में चित्रित नारी जागरण की चेतना।
'कर्फ्यू' नाटक में देशकाल और वातावरण।

इकाई- 4 'कर्फ्यू' का उद्देश्य, 'कर्फ्यू' के शीर्षक की सार्थकता,
'कर्फ्यू' की भाषा-शैली, 'कर्फ्यू' नाटक में अभिनेयता।

अंक-विभाजन – प्रश्न 1 पठित नाटक से 10 (12 में से) बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)
प्रश्न 2 पठितनाटकसेसंक्षिप्तप्रश्न (5x2=10 अंक)
प्रश्न 3और4. इकाई 1 और 2से एक -एक आलोचनात्मक प्रश्न (10x2=20 अंक)
प्रश्न 5.(अ)इकाई 3 और4से एक टिप्पणी का प्रश्न (05x1=05 अंक)
(ब) पठित नाटक सेससंदर्भ व्याख्या का एक प्रश्न (05x1=5अंक)

सहायक ग्रंथः

1. रंगमंच और जयशंकर प्रसाद के नाटक-डॉ. रीतारानी पालीवालसाहित्य निधि, दिल्ली)
2. हिंदी नाटक-डॉ. बच्चनसिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
3. नाटककार लक्ष्मीनारायण लाल की नाट्य साधना-नर नारायण राय (सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली)
4. लक्ष्मीनारायण लाल का रंग-दर्शन-डॉ. सुभाष भाटिया
5. हिंदी नाटकः आज तक-डॉ. वीणा गौतम
6. कृतिकार लक्ष्मीनारायण लाल-डॉ. रघुवंश
7. समकालीन हिंदी नाटकों में चरित्र-सृष्टि-डॉ. जदेव तनेजा
8. आज का हिंदी नाटकःप्रगति और प्रभाव-डॉ. दशरथ ओझा (राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली)
9. समकालीन हिंदी नाट-डॉ. गिरीश रस्तोगी (इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली)
10. हिंदी नाटक EHD-01हिंदी गद्य (इंदिरा गांधी मुक्त विश्व विद्यालय)

==========

07-02-2024
Date: ~~12/2023~~

7/2/2024
डॉ.सतीश पटेल

प्रश्नपत्र – 10 . हिंदी साहित्य का इतिहास (मुख्य) (Total Marks – 50)
Major(Core)-10 **Credits 04**

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई- 1. भारतेन्दु युगीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ, द्विवेदी युगीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ ,

छायावादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ , प्रगतिवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ।

इकाई - 2 . प्रयोगवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ।

उपन्यास, नाटक, कहानी और समालोचना का उद्भव और विकास।

इकाई- 3. रामधारीसिंह 'दिनकर', मैथिलीशरण गुप्त, हरिवंश राय 'बच्चन', शिवमंगल सिंह 'सुमन' तथाअज्ञेय' का साहित्यिक परिचय।

इकाई- 4 . जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पन्त, महादेवी वर्मा और सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का साहित्यिक परिचय।

अंक-विभाजन- प्रश्न 1.सभीइकाईयों से10(12 में से) बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2.पठितसाहित्यसेसंक्षिप्त प्रश्न5 (आठमेंसे) (5x2=10 अंक)

प्रश्न 3. और 4 इकाई 1 और 2 से एक -एक आलोचनात्मक प्रश्न (10x2=20 अंक)

प्रश्न 5.इकाई 3और4 सेएक- एकटिप्पणीकाप्रश्न(अ) और(ब) (05x2=10 अंक)

सहायक ग्रंथः

1.हिंदीसाहित्यकाइतिहास-डॉ.नगेन्द्र
2.हिंदीसाहित्यकाइतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागरवार्ष्णेय
3.हिंदीसाहित्यकाआदिकाल-हजारीप्रसादद्विवेदी
4.हिंदीसाहित्यकाअतीत-१-२ -विश्वनाथप्रसादमिश्र
5.हिंदीसाहित्यकाइतिहास-रामचंद्रशुक्ल
6.हिंदीसाहित्यकादूसराइतिहास-डॉ.बच्चनसिंह
7.हिंदीसाहित्यकावैज्ञानिकइतिहास-१-२ -डॉ.गणपतिचंद्रगुप्त
8.आदिकालकीभूमिका-पुरुषोत्तमप्रसाद
9.हिंदीसाहित्यकीप्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशनप्रसादखण्डेलवाल

++++++++

Date: ~~12/2023~~

7/12/2024

डॉ.सतीश पटेल

प्रश्नपत्र – 3. हिंदी नाटक: (Total Marks - 50)

Minor (Elective Course)-04 **Credits 04**

पाठ्यपुस्तक : कर्फ्यू-लक्ष्मीनारायण लाल (राजपाल एन्ड सन्स, नई दिल्ली)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई- 1. लक्ष्मीनारायण लाल का व्यक्तित्व और कृतित्व,
'कर्फ्यू' नाटक का कथानक, 'कर्फ्यू' में चित्रित समस्याएँ

इकाई- 2. 'कर्फ्यू' के मुख्य पात्र- मनीषा. गौतम, संजय, कविता का चरित्र-चित्रण।

इकाई - 3 . 'कर्फ्यू' के संवाद, 'कर्फ्यू' में चित्रित नारी जागरण की चेतना।
'कर्फ्यू' नाटक में देशकाल और वातावरण।

इकाई- 4 'कर्फ्यू' का उद्देश्य, 'कर्फ्यू' के शीर्षक की सार्थकता,
'कर्फ्यू' की भाषा-शैली, 'कर्फ्यू' नाटक में अभिनेयता।

अंक-विभाजन – प्रश्न 1 पठित नाटक से 10 (12 में से) बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)
प्रश्न 2 पठितनाटकसेसंक्षिप्तप्रश्न (5x2=10 अंक)
प्रश्न 3और4. इकाई 1 और 2से एक -एक आलोचनात्मक प्रश्न (10x2=20 अंक)
प्रश्न 5. (अ)इकाई 3 और4से एक टिप्पणी का प्रश्न (05x1=05 अंक)
(ब) पठित नाटक सेससंदर्भ व्याख्या का एक प्रश्न (05x1=5अंक)

सहायक ग्रंथः

1. रंगमंच और जयशंकर प्रसाद के नाटक-डॉ. रीतारानी पालीवालसाहित्य निधि, दिल्ली)
2. हिंदी नाटक-डॉ. बच्चनसिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
3. नाटककार लक्ष्मीनारायण लाल की नाट्य साधना-नर नारायण राय (सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली)
4. लक्ष्मीनारायण लाल का रंग-दर्शन-डॉ. सुभाष भाटिया
5. हिंदी नाटकः आज तक-डॉ. वीणा गौतम
6. कृतिकार लक्ष्मीनारायण लाल-डॉ. रघुवंश
7. समकालीन हिंदी नाटकों में चरित्र-सृष्टि-डॉ. जदेव तनेजा
8. आज का हिंदी नाटकःप्रगति और प्रभाव-डॉ. दशरथ ओझा (राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली)
9. समकालीन हिंदी नाट-डॉ. गिरीश रस्तोगी (इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली)
10. हिंदी नाटक EHD-01हिंदी गद्य (इंदिरा गांधी मुक्त विश्व विद्यालय)

==========

07-2-2024
Date: ~~12/2023~~

07/2/2024
डॉ.सतीश पटेल

परिशिष्ठ-2

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी भाषा-कौशल

सेमेस्टर-4

(2024-2025, 2025-2026 एवम्2026-2027 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-4 **हिंदी भाषा सामर्थ्य और जीवन कौशल**

Ability Enhancement Courses-**02 (Credits 02) (Total Marks-25)**

इकाई-1 छंद का सामान्य परिचय।

इकाई-2 अलंकारों का सामान्य परिचय। (अनुप्रास,यमक,श्लेष,वक्रोक्ति)

इकाई-3 उपसर्ग, प्रत्ययतथा कालों का सामान्य परिचय।

इकाई-4 रचना (कंपोजीशन) की तैयारी-

वर्णनात्मक लेखन-व्यक्ति का वर्णन, स्थान, दृश्य या वस्तु का वर्णन, स्थिति या दशा का वर्णन, कार्य-प्रणाली का वर्णन।

साहित्य और समाज, प्रदूषणः एक समस्या, मेरी दिल्ली यात्रा , लघु कथा , जन संख्या वृद्धि और विज्ञान, विज्ञान की भाषा, आदि पर लेखन।

अंक विभाजनः प्रश्न-1 इकाई 1,2 और 3 से सात (10 में से) बहु विकल्पी प्रश्न (7x1=07अंक)

प्रश्न-2 इकाई 3 से छः (आठ से) संक्षिप्त प्रश्न (6x1=06अंक)

प्रश्न-3 इकाई 4 से एक आलोचनात्मक प्रश्न (6x1=06अंक)

प्रश्न-4इकाई 2 से टिप्पणी का प्रश्न (6x1=06अंक)

सहायक ग्रंथः

7. हिंदी व्याकरण-कामता प्रसाद गुरू
8. हिंदी व्याकरण-डॉ. उमेशचंद्र शुक्ल
9. प्रशासनिक एवम् कार्यालयी हिंदी-डॉ. रामप्रकाश एवम् डॉ. दिनेशकुमार गुप्त
10. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना-डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद
11. हिंदी रूप-रचना भाग-1-2- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. हिंदी व्याकरणःप्रबोध एवम् रचना-डॉ. विजयपाल सिंह (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

****

07-02-2024

Date: ~~12/2023~~

7/2/2024

डॉ.सतीश पटेल

प्रश्नपत्र-4 हिंदी प्रत्यायन-कौशल - (अनिवार्य) (Total Marks - 25)

Skill Enhancement Course-02 (Credits 02)

इकाई-1 संभाषणः अर्थ और स्वरूप, संभाषण का महत्व।

इकाई-2 संभाषण कला के विभिन्न रूप-उद्घोषणा कला (अनाउन्समेंट), आँखों देखा हाल (कमेंट्री), संचालन (एंकरिंग), वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टी.वी.), मंचीय वाचन (कहानी, कविता, व्यंग्य आदि)।

इकाई-3 लोक-प्रशासन, जन संपर्क एवम् विपणन के विकास में संभाषण कला का योगदान। संवादी भाषा (कनवर्सेशनल लैंग्वेज) के रूप में हिंदी की भाषिक संवेदना-विवेचना।

इकाई-4 पल्लवन कीजिएः 1. चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात 2. नया नौ दिन पुराना सौ दिन 3. स्वाधीनता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है 4. जो जीता वही सिकंदर 5. घर का जोगी जोगडा।

अंक विभाजनः प्रश्न-1 इकाई 1,2 और 3 से सात (10 में से) बहु विकल्पी प्रश्न (7x1=07अंक)
प्रश्न-2 इकाई 3 से छः (आठ से) संक्षिप्त प्रश्न (6x1=06अंक)
प्रश्न-3 इकाई 2 से एक (दो में से) टिप्पणी का प्रश्न (6x1=06अंक)
प्रश्न-4 इकाई 4 से एक आलोचनात्मक प्रश्न (दो में से) टिप्पणी का प्रश्न (6x1=06अंक)

सहायक ग्रंथ-

3. वाद-विवाद एवम् संभाषण-श्रद्धा पांडेय
4. अच्छी हिंदीः हिंदी संभाषण और लेखन-डॉ. तेजपाल चौधरी (पंचशील प्रकाशन, दिल्ली)

++++++++++++++++++++++

07-02-2024
Date: ~~12/2023~~

7/2/2024
डॉ.सतीश पटेल